Daily Gospel Reflections in Hindi

09 August 2019

योहन 20: 19-29

RISEN CHRIST APPEARS TO THE APOSTLES

हम में से प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में चमत्कार देखना चाहता है लेकिन जब वह चमत्कार होता है तो हम उस पर विश्वास नहीं करते अथवा चमत्कार पर ही संदेह करते हैं। हम चाहते हैं कि हमें कुछ दैवीय शक्ति मिले लेकिन जिन्हें दैवीय सिद्धि प्राप्त है हम उन से कई सवाल जवाब करते हैं। भला संत थॉमस इस से कैसे बच सकते थे! उन्होनें प्रभु पर ही सवाल खडा कर दिया। लेकिन प्रभु किसी को भी निराश नहीं करते। उन्होंने संत थॉमस के हट को भी स्वीकार किया और उन की हर शंका का निदान भी। संत थॉमस के इस व्यवहार से हम सीख सकते कि प्रभु अपने भक्तों को निराश नहीं करते फिर हमारी मांग नादानी भरी ही क्यों ना हो।

पुनर्जीवित प्रभु ने हमें प्रेशित किया और अधिकार दिया है। तुम जिन के अपराध क्षमा करोगे वे क्षमा पायेगें और जिन को बांध दोगे वे बंधे रहेंगे। अक्सर हम इस वचन को पुरोहितों को प्राप्त पाप क्षमा करने के अधिकार से जोडते हैं, लेकिन प्रभु ने क्षमा करने का आदेश सभी को दिया है। मत्ती 6:14,5:23 यदि तुम दूसरों के पाप क्षमा नहीं करोगे तो तुम्हे भी पापों की क्षमा नहीं मिलेगी। क्षमा करना खीस्तियों के विश्वास की निशानी है। हम सच्चे विश्वासी बनें और सभी को बिना शर्त क्षमा करनें का वरदान मांगे।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019